



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-31012025-260659
CG-DL-E-31012025-260659

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 30, 2025/माघ 10, 1946

No. 32]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 30, 2025/MAGHA 10, 1946

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(विदेश व्यापार महानिदेशालय)
सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 2025

सं. 40/2024-25

विषय: स्कोमेट मर्चें के निर्यात और स्कोमेट विनियमनों से संबंधित गैर-अनुपालन/उल्लंघन के स्वैच्छिक प्रकटीकरण के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया/दिशानिर्देश।

फा. सं. 01/77/171/062/एम23/ईसी(एस).—विदेश व्यापार नीति (2023) के पैरा 1.03 और 2.04 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक विदेश व्यापार एतद्वारा इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक में संलग्न प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 10.19 में निहित स्कोमेट मर्चें के निर्यात और स्कोमेट विनियमनों से संबंधित गैर-अनुपालन/उल्लंघन के स्वैच्छिक प्रकटीकरण हेतु मानक प्रचालन प्रक्रिया/दिशानिर्देशों को अधिसूचित करते हैं।

2. इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।

3. इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव:

स्कोमेट मदों के निर्यात और स्कोमेट विनियमनों से संबंधित गैर-अनुपालन/उल्लंघन के स्वैच्छिक प्रकटीकरण हेतु मानक प्रचालन प्रक्रिया/दिशानिर्देशों को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है।

संतोष कुमार सारंगी, महानिदेशक विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

स्कोमेट मदों और स्कोमेट विनियमनों के निर्यात से संबंधित गैर-अनुपालन/उल्लंघन के स्वैच्छिक प्रकटीकरण के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया/दिशानिर्देश

कार्यक्षेत्र:

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) यह मानता है कि ऐसे अवसर हो सकते हैं जहां जिम्मेदार निर्यातकों ने विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, सामूहिक संहार के आयुध उनकी परिदान प्रणाली (विधिविरुद्ध क्रियाकलापों का प्रतिशोध) अधिनियम, सीमा शुल्क अधिनियम, या किसी अन्य प्रासंगिक कानून, विनियमन, आदेश आदि के निर्यात नियंत्रण प्रावधानों या डीजीएफटी द्वारा जारी निर्यात नियंत्रण पर लाइसेंस/प्राधिकार पत्र का अनुपालन नहीं किया हो। डीजीएफटी निर्यात नियंत्रण प्रावधानों का अनुपालन करने में विफलता के स्वैच्छिक प्रकटीकरण को प्रोत्साहित करता है और किसी भी गैर-अनुपालन घटनाओं से बचने के लिए निर्यातकों के बीच जागरूकता बढ़ाने हेतु सहायता करता है। स्वैच्छिक प्रकटीकरण में वे मामले शामिल नहीं हैं जहां निर्यातक डीजीएफटी और सीमा शुल्क जैसी भारत सरकार की संबंधित एजेंसियों से संचार के आधार पर प्राधिकार पत्र/कार्योत्तर निर्यात प्राधिकार पत्र के नियमितीकरण के लिए आवेदन करता है।

स्कोमेट मदों के निर्यात के लिए आवेदनों पर विचार करने के लिए गठित डीजीएफटी में अंतर-मंत्रालयी कार्य समूह (आईएमडब्ल्यूजी) प्रशासनिक जुर्माना, यदि कोई हो, जिसे लगाया जाना चाहिए निर्धारित करने में स्वैच्छिक प्रकटीकरण को एक कम करने वाले कारक के रूप में विचार किया जा सकता है।

आईएमडब्ल्यूजी प्रत्येक मामले पर विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम के तहत समय-समय पर केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित निर्यात और आयात नीति के प्रावधानों और उसके तहत जारी आदेशों के अनुसार उसकी योग्यता के आधार पर विचार करेगा।

गैर-अनुपालन के लिए स्वैच्छिक प्रकटीकरण स्कोमेट श्रेणी 0 और सीडब्ल्यूसी अनुसूचियों (स्कोमेट) श्रेणियां 1ए, 1बी और 1सी) के तहत आने वाली मदों के लिए गैर-अनुपालन या उल्लंघन के मामलों को कवर नहीं करेगा।

उल्लंघन के प्रकार:

- i. स्कोमेट के अंतर्गत सूचीबद्ध वस्तुओं/सॉफ्टवेयर/प्रौद्योगिकी का निर्यात, जो बिना पूर्व प्राधिकार पत्र के किया गया हो
- ii. बिना जानकारी के यूएनएससी-स्वीकृत इकाईयों और व्यक्तियों को निर्यात
- iii. स्कोमेट के अंतर्गत नियंत्रित न होने वाली मदों का निर्यात और जिनका उपयोग सामूहिक संहार के आयुध या उनकी वितरण प्रणालियों के उपयोग/डायवर्ट के लिए किया जाता है या विनिर्माण में किया जाता है
- iv. किसी इकाई के नाम पर जारी निर्यात प्राधिकार पत्र का उपयोग, नाम परिवर्तन, विलय, अविलयन आदि के बाद लाइसेंसिंग प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन/संशोधन के बिना किसी नई ईकाई द्वारा किया जाना
- v. भारत में पंजीकृत या संचालित कंपनी/इकाई द्वारा लाइसेंसिंग प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त करने में विफलता, जो साइट विजिट, ऑन-साइट सत्यापन या विदेशी संगठनों द्वारा सीधे या किसी

भारतीय पक्ष के माध्यम से रिकॉर्ड/दस्तावेजों तक पहुंच की सुविधा या कार्य करने के लिए स्कोमेट मर्दों के विनिर्माण, प्रसंस्करण और उपयोग में शामिल है

- vi. रिपोर्टिंग, रिकॉर्ड रखने की आवश्यकताओं आदि का अनुपालन करने में विफलता
- vii. तकनीकी आंकड़ों तक अनधिकृत अभिगम
- viii. तकनीकी सहायता का अनधिकृत प्रावधान
- ix. स्कोमेट मर्दों से संबंधित कोई अन्य उल्लंघन जो एफटीडीआर/एफटीपी/एचबीपी के संदर्भ में ऊपर सूचीबद्ध नहीं है

प्रकटीकरण की स्वैच्छिक प्रकृति के बावजूद, संबंधित उल्लंघन (उल्लंघनों) का मामला दंडनीय, प्रशासनिक कार्रवाई और आपराधिक अभियोजन पर विचार करने के लिए प्रतिबंध को लगाने योग्य हो सकते हैं। आईएमडब्ल्यूजी इस बात पर विचार करेगा कि क्या किसी विशेष मामले में अन्य संबंधित जानकारी के संदर्भ में 'स्वैच्छिक प्रकटीकरण', यदि कोई प्रशासनिक कार्रवाई जो की जाएगी को निर्धारित करने में इसे कम करने वाली कारक होना चाहिए। स्वैच्छिक प्रकटीकरण के मामले में आईएमडब्ल्यूजी द्वारा विचार किए जाने वाले कुछ अन्य कारक निम्नानुसार हैं:

- i. क्या निर्यात सामान्य क्रम में अधिकृत होता, और किन परिस्थितियों (स्वैच्छिक/बाध्य प्रकटीकरण) के अंतर्गत निर्यातक द्वारा डीजीएफटी के समक्ष निर्यात प्राधिकार पत्र के लिए अनुरोध किया गया है;
- ii. क्या उल्लंघन जानबूझकर या अनजाने में, व्यवस्थित किया गया या नहीं किया था;
- iii. उल्लंघन क्यों हुआ;
- iv. आगामी सत्यापन/जांच में सहयोग की डिग्री;
- v. क्या फर्म ने भविष्य में निर्यात उल्लंघन की संभावना को कम करने के लिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण सहित एक आंतरिक व्यापार अनुपालन तंत्र/प्रक्रिया/कार्यक्रम की स्थापना या इसमें सुधार किया है;
- vi. क्या निर्यात उल्लंघन संगठन के वरिष्ठ प्रबंधन के संज्ञान में था;
- vii. उल्लंघन के लिए जिम्मेदार फर्म/अधिकृत व्यक्ति निर्यात नियंत्रण कानूनों और विनियमों से किस हद तक परिचित था;
- viii. क्या फर्म ने अतीत में निर्यात नियंत्रण कानूनों और विनियमों का उल्लंघन किया है;

ख. स्वैच्छिक प्रकटीकरण की प्रक्रिया:

- i. किसी भी व्यक्ति/फर्म को निर्यात उल्लंघन का पता चलने और आंतरिक रूप से पुष्टि होने के तुरंत बाद विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) को प्रारंभ में सूचित करना चाहिए, और फिर ऐसी सभी व्यापार गतिविधियों की गहन समीक्षा करनी चाहिए, जहां उल्लंघन का संदेह हो। भारतीय निर्यातक को ऐसे उल्लंघन के सभी प्रासंगिक विवरण (परिशिष्ट 10ण में) स्कोमेट प्रभाग, डीजीएफटी (मुख्यालय), वाणिज्य भवन, नई दिल्ली को scomet-dgft@nic.in पर ई-मेल के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
- ii. यदि निर्यातक इकाई या व्यक्ति द्वारा ऐसे उल्लंघन के संबंध में सीमा शुल्क जैसी संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों या अन्य स्रोतों से पुष्टि होती है, तो स्कोमेट प्रकोष्ठ, डीजीएफटी द्वारा आवेदक फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ एक पूर्ण प्रकटीकरण 30 दिनों के भीतर या विनिर्दिष्ट किए जा सकने वाले विस्तारित समय के भीतर प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
- iii. उचित समय के भीतर पूर्ण प्रकटीकरण प्रदान करने में विफलता के परिणामस्वरूप आईएमडब्ल्यूजी द्वारा यह सिफारिश की जा सकती है कि उल्लंघन के उचित निपटान का निर्धारण करने में स्वैच्छिक प्रकटीकरण को कम करने वाले कारक के रूप में न माना जाए। इसके अतिरिक्त, डीजीएफटी फर्म को संबंधित भारतीय कानूनों और विनियमों के संदर्भ में उल्लंघन के बारे में सभी प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दे सकता है।

- iv. आईएमडब्ल्यूजी लागू कानूनों और विनियमों के दायरे में योग्यता के आधार पर प्रत्येक ऐसे आवेदन पर विचार करेगा।

ग. स्वैच्छिक प्रकटीकरण के लिए आवेदन करते समय आवश्यक दस्तावेज:

स्वैच्छिक प्रकटीकरण के तहत किए गए निर्यात के नियमितीकरण के लिए आईएमडब्ल्यूजी निम्नलिखित दस्तावेजों पर विचार कर सकता है। फर्म द्वारा लिखित प्रकटीकरण के साथ एक वरिष्ठ अधिकारी (निर्यात अनुपालन प्रबंधक या समकक्ष पद से नीचे का नहीं) द्वारा हस्ताक्षरित एक सहपत्र (षीर्षपत्र पर) निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ होना चाहिए।

क. प्रकटीकरण प्रपत्र (परिशिष्ट संलग्न)

ख. एएनएफ 10क प्रपत्र में आवेदन

ग. लाइसेंसिंग दस्तावेज (जैसे, लाइसेंस आवेदन, निर्यात लाइसेंस, अंतिम उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र/विवरण, खरीद आदेश, संविदा, करार, आदि)

घ. पोतलदान दस्तावेज (जैसे, शिपिंग बिल, वाणिज्यिक बीजक, हवाई मार्ग बिल और लदान बिल और कोई अन्य संबंधित व्यापार दस्तावेज)

ड. कोई अन्य प्रासंगिक दस्तावेज जो आवश्यक हो

घ. डीजीएफटी द्वारा कार्रवाई:

निर्यातक द्वारा सभी पूर्ण और सहायक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद डीजीएफटी द्वारा सभी स्वैच्छिक प्रकटीकरण मामलों को चर्चा के लिए आईएमडब्ल्यूजी के समक्ष अपनी अगली बैठक में रखा जाएगा। आईएमडब्ल्यूजी प्रत्येक मामले पर समय-समय पर केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित निर्यात और आयात नीति के प्रावधानों और संबंधित भारतीय कानूनों और विनियमों के अनुसार योग्यता के आधार पर विचार करेगा। आईएमडब्ल्यूजी निम्नलिखित पर विचार करेगा और डीजीएफटी को सिफारिशें करेगा।

- i. प्रकट किए गए तथ्यों, सहायक दस्तावेज और संतोषजनक समीक्षा के आधार पर निर्यातक को सूचित करना कि आगे कोई कार्रवाई आवश्यक नहीं है;
- ii. कारण बताओ नोटिस जारी करना;
- iii. प्रसार संबंधी सरोकर/सूचना, संबंधित निर्यात नियंत्रण कानूनों और विनियमों के उल्लंघन आदि पर प्रतिकूल रिपोर्ट प्रस्तुत करने या निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य दस्तावेज प्रस्तुत न करने या स्कोमेट नीति की शर्तों का पालन न करने पर न्यायनिर्णयन आदेश जारी करना। फर्म एफटी (डीएंडआर) अधिनियम, इसके तहत बनाए गए नियमों और आदेशों, विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) और किसी भी अन्य लागू कानूनों और विनियमों के अनुसार कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगी।
- iv. डीजीएफटी बाद में इन मामलों में उनके द्वारा की गई कार्रवाई से आईएमडब्ल्यूजी को अवगत कराएगा (पिछले निर्यात को नियमित करना या उपरोक्त (i)/(ii)/(iii) के अनुसार की गई उपयुक्त कार्रवाई, जैसा भी मामला हो)।

परिशिष्ट संख्या 10ण**स्वैच्छिक प्रकटीकरण प्रपत्र**

आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण की अनुसूची 2 के परिशिष्ट 3 में सूचीबद्ध स्कोमैट वस्तुएं/सॉफ्टवेयर/प्रौद्योगिकी के निर्यात से संबंधित गैर-अनुपालन/उल्लंघन की रिपोर्टिंग के लिए स्वैच्छिक प्रकटीकरण प्रपत्र

[कृपया स्कोमैट मदों के निर्यात और स्कोमैट विनियमनों से संबंधित गैर-अनुपालन/उल्लंघन के स्वैच्छिक प्रकटीकरण के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया/दिशानिर्देश देखें]

1. आवेदक का विवरण:

i. नाम															
ii. संगठन में पद															
iii. पता															
iii. मोबाइल नंबर	देश कोड	क्षेत्र कोड													
एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नंबर															
iv. आवेदन जमा करने की तिथि															

2. आवेदक फर्म का विवरण

i.	फर्म/कंपनी/व्यक्ति का नाम	
ii.	पूरा आधिकारिक पता (पिन कोड सहित)	
iii.	कंपनी का संक्षिप्त विवरण, जिसमें अलग पत्रक पर उसकी व्यावसायिक गतिविधियाँ शामिल हैं	
iv.	क्या आंतरिक व्यापार अनुपालन कार्यक्रम (आईसीपी) स्थापित किया गया है (हाँ/नहीं)	
v.	क्या फर्म ने पूर्व में स्कोमैट प्राधिकार-पत्र प्राप्त किया है (हाँ/नहीं)	
vi.	पूर्व प्राधिकार-पत्र सं. और तारीख/डीजीएफटी संदर्भ सं. (यदि विगत वर्षों के दौरान कोई जारी किया गया है तो)	

3. गैर-अनुपालन का विवरण:

i.	किए गए उल्लंघन का प्रकार (एसओपी देखें) उल्लंघन की प्रकृति और सीमा का स्पष्ट विवरण	
ii.	गैर-अनुपालन करने की अवधि (उल्लंघन की तिथि और रिपोर्टिंग की तिथि के बीच की अवधि)	
iii.	क्या सीमा शुल्क या किसी अन्य प्रवर्तन/लाइसेंसिंग प्राधिकारी ने कोई कारण बताओ नोटिस जारी (एससीएन) या पत्राचार किया है – (हाँ/नहीं)	
iv.	यदि (iii) का उत्तर 'हाँ' है, तो एससीएन/पत्राचार की एक प्रति प्रदान करें	

v.	निर्यात उल्लंघन, निर्यात का माध्यम, तथा लदान/निर्वहन का पत्तन, जहाँ भी लागू हो, से संबंधित सभी पोतलदान की तिथियाँ,	
vi.	जिन परिस्थितियों के कारण उल्लंघन हुआ। उल्लंघन, उल्लंघन कैसे उजागर हुआ का विवरण शामिल करें, (यदि आवश्यक हो तो एक अलग पत्रक संलग्न की जा सकती है)।	
vii.	प्रत्येक निर्यात पोतलदान के लिए, यह प्रश्न कि क्या निर्यात जानबूझकर किया गया था	
viii.	यह सुनिश्चित करने के लिए कि भविष्य में निर्यात लाइसेंस प्राप्त किया जाएगा के लिए उठाए गए कदमों या क्रियाओं और प्रक्रियाओं का विवरण, जहाँ अपेक्षित हो	
ix.	प्रकटीकरण करने वाले व्यक्ति का नाम और पता तथा संपर्क स्थान, यदि भिन्न हो, तो सूचित किया जा सकता है	
x.	स्कोमैट प्राधिकार-पत्र संख्या और दिनांक, लाइसेंस छूट या किसी अन्य प्राधिकार-पत्र का विवरण, यदि लागू हो; (पिछले तीन वर्ष)	
xi.	कोई अन्य जानकारी जो निर्यातक का मानना है कि प्रकटीकरण के प्रयोजन हेतु संबंधित है	

4. आवश्यक सहायक दस्तावेज:

क्र. सं.	दस्तावेज का नाम	संलग्न (हां/नहीं)
i.	सहपत्र [फर्म के शीर्षपत्र पर एक वरिष्ठ अधिकारी (निर्यात अनुपालन प्रबंधक के पद से नीचे नहीं) द्वारा हस्ताक्षरित, जिसमें किए गए उल्लंघन का संक्षिप्त विवरण प्रदान करते हुए और यह बताते हुए कि स्वैच्छिक प्रकटीकरण के संबंध में किए गए सभी अभ्यावेदन उस व्यक्ति की जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं]	
ii.	जहाँ भी लागू हो डीजीएफटी के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से एएनएफ 2ण प्रपत्र में आवेदन,	
iii.	सीमा शुल्क द्वारा जारी एससीएन की प्रतिलिपि, जहाँ भी लागू हो या लाइसेंसिंग/प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जारी कोई अन्य पत्राचार	
iv.	तकनीकी चित्र (उत्पाद/प्रौद्योगिकी पर जानकारी), जहाँ लागू हो	
v.	उत्पाद(ओं) के तकनीकी विनिर्देश/डाटा शीट/विवरणिका, जहाँ लागू हो	
vi.	डीजीएफटी की निर्धारित सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार संबंधित वचन-पत्र और घोषणा-पत्र, जहाँ लागू हो	
vii.	क्रय आदेश/संविदा करार/वारंटी नीतिगत शर्तें, जहाँ लागू हो	
viii.	आपूर्ति श्रृंखला में सभी इकाइयों से अंतिम उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र, जहाँ लागू हो	
ix.	निर्यात के देश से निर्यात लाइसेंस, जहाँ लागू हो	
x.	प्रविष्टि बिल, जहाँ लागू हो	
xi.	हवाईमार्ग बिल, जहाँ लागू हो	
xii.	शिपिंग बिल/बीजक, जहाँ लागू हो	
xiii.	लदान बिल, जहाँ लागू हो	
xiv.	डीजीएफटी से निर्यात/पुनः निर्यात लाइसेंस, जहाँ लागू हो	
xv.	विदेशी कंपनी और भारतीय सहायक कंपनी के साथ मास्टर सेवा समझौते (एमएसए)/अनुबंध की प्रति; जहाँ लागू हो	

xvi.	कंपनी या भारतीय सहायक कंपनी द्वारा अपनाई जा रही मूल कंपनी के आईसीपी की स्व-प्रमाणित प्रति; जहां लागू हो	
xvii.	लाइसेंस छूट/छूट प्रमाण और वैधता, जहां लागू हो	
xviii.	प्रौद्योगिकी नियंत्रण योजना, जहां लागू हो	
xix.	कोई अन्य दस्तावेज जो निर्यातक को लगता है कि प्रकटीकरण के प्रयोजन हेतु संबंधित है	

5. हस्ताक्षरकर्ता का संपर्क विवरण:

अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर:

नाम (पूरा):

पदनाम:

संपर्क विवरण (टेलीफोन नंबर/मोबाइल नंबर):

ईमेल (यदि कोई हो तो वैकल्पिक ईमेल भी प्रदान करें):

कंपनी की मुहर/आधिकारिक मुहर:

दिनांक:

स्थान:

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 15th January, 2025

No. 40/2024-2025

Subject: Standard Operating Procedure/ Guidelines for Voluntary Disclosure of Non Compliance/ Violations related to Export of SCOMET Items and SCOMET Regulations.

F. No. 01/77/171/062/AM23/EC(S).—In exercise of the powers conferred under Para 1.03 and 2.04 of the Foreign Trade Policy (2023), the Directorate General of Foreign Trade hereby notifies the Standard Operating Procedure/ Guidelines for Voluntary Disclosure of Non Compliance/ Violations related to Export of SCOMET Items and SCOMET Regulations as under Para 10.19 of HBP enclosed in the Annexure to this Public Notice.

2. This shall come into force with immediate effect.

3. Effect of this Public Notice:

Standard Operating Procedure/ Guidelines for Voluntary Disclosure of Non Compliance/ Violations related to Export of SCOMET Items and SCOMET Regulations is hereby notified.

SANTOSH KUMAR SARANGI, Directorate General of Foreign Trade Ex-officio Addl. Secy.

Standard Operating Procedure/ Guidelines for Voluntary Disclosure of Non-Compliance/ Violations related to Export of SCOMET Items and SCOMET Regulations

Scope:

The Directorate General of Foreign Trade (DGFT) recognizes that there may be occasions where responsible exporters, did not comply with the export control provisions of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, the Weapons

of Mass Destruction and their Delivery Systems (Prohibition of Unlawful Activities) Act, the Customs Act, or any other relevant law, regulation, order, etc. or license/authorization on export controls issued by DGFT. The DGFT encourages voluntary disclosures of failure to comply with the export control provisions and supports raising awareness among the exporters to avoid any non-compliance incidents. Voluntary disclosures do not involve cases where the exporter applies for regularization of authorization / post-facto export authorization, on the basis of communication from the relevant Government of India agencies such as DGFT, and Customs.

The Inter-Ministerial Working Group (IMWG) in DGFT constituted for considering the applications for export of SCOMET items may consider a voluntary disclosure as a mitigating factor in determining the administrative penalties, if any, that should be imposed.

The IMWG would consider each case on its merit in accordance with the provisions of the Export and Import Policy determined by the Central Government from time to time, under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, and the Orders issued there under.

Voluntary Disclosure for non-compliance shall not cover the cases for non-compliance or violations for items falling under SCOMET Category 0 and under CWC Schedules (SCOMET Categories 1A, 1B, & 1C).

Types of Violations:

- i. Export of goods/software/technology listed under SCOMET and undertaken without prior authorization
- ii. Export to UNSC-sanctioned entities and individuals without knowledge
- iii. Export of items not controlled under SCOMET and used/diverted for or manufacture of weapons of mass destruction or their delivery systems
- iv. Use of an Export authorization issued in the name of an entity, by a new entity(s) after name change, merger, de-merger etc. without prior approval/amendment from the licensing authority
- v. Failure to obtain permission from the licensing authority by the company/entity registered or operating in India, which is involved in the manufacture, processing and use of SCOMET items, for facilitating or undertaking site visits, on-site verification or access to records/documentation by foreign organizations either directly or through an Indian party
- vi. Failure to comply with reporting, record-keeping requirements, etc.
- vii. Unauthorized access to technical data
- viii. Unauthorized provision of technical assistance
- ix. Any other violation relating to SCOMET items not listed above in terms of FTDR/FTP/HBP

The violation(s) in question, despite the voluntary nature of the disclosure, may merit penalties, administrative actions, and sanctions to consider criminal prosecution. The IMWG will consider whether 'voluntary disclosure,' in the context of other relevant information in a particular case, should be a mitigating factor in determining, if any, administrative action will be imposed. Some of the other factors the IMWG may consider in case of voluntary disclosure include:

- i. Whether the export would have been authorized in the normal course, and under what conditions (voluntary / forced disclosure) the request for export authorization has been made by the exporter before DGFT;
- ii. Whether the violation was intentional or inadvertent, systematic or not;
- iii. Why the violation occurred;
- iv. The degree of cooperation with the ensuing verification/investigation;
- v. Whether the firm has instituted or improved an internal trade compliance mechanism/process/program, including training of employees to reduce the likelihood of future export violation(s);
- vi. Whether the export violation was in the knowledge of senior management of the organization;
- vii. The degree to which the firm / authorized person responsible for the violation was familiar with the export control laws and regulations;
- viii. Whether the firm has violated export control laws and regulations in the past;

B. Procedure for Voluntary Disclosure:

- i. Any individual/firm should initially notify the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) immediately after an export violation is discovered and confirmed internally, and then conduct a thorough review of all such trade activities where a violation is suspected. The Indian exporter must submit all the relevant details of such violation (in Appendix 100) to SCOMET Division, DGFT (Hqrs), Vanjiya Bhawan, New Delhi, via E-mail at scomet-dgft@nic.in
- ii. If there is confirmation from the relevant enforcement agencies such as Customs or through other sources regarding such violation by the exporting entity or individual, a show cause notice shall be issued by SCOMET Cell, DGFT to the applicant firm. A full disclosure along with all the necessary documents must be submitted within 30 days or the extended time as may be specified.
- iii. Failure to provide a full disclosure within a reasonable time may result in a recommendation by the IMWG, not to consider the Voluntary Disclosure as a mitigating factor in determining the appropriate disposition of the violation. In addition, DGFT may direct the firm to furnish all the relevant information surrounding the violation in terms of the relevant Indian laws and regulations.
- iv. The IMWG would consider each such application on merit within the scope of applicable laws and regulations.

C. Documents required while filing for Voluntary Disclosure:

The IMWG may consider the following documents for the regularization of exports made under Voluntary Disclosure. The written disclosure by the firm should be accompanied by a covering letter (on the letterhead) signed by a senior officer(not below the rank of export compliance manager or equivalent designation) with the following documents:

- a. Disclosure Proforma (Appendix attached)
- b. Application in ANF 10A proforma
- c. Licensing documents (e.g., license applications, export licenses, end-user certificates/statements, Purchase Order, Contract Agreement, etc.)
- d. Shipping documents (e.g., Shipping Bills, Commercial Invoices, Airway Bills and Bills of Lading and any other related Trade documents)
- e. Any other relevant documents as may be required

D. Action by the DGFT:

All voluntary disclosure cases shall be placed by DGFT before the IMWG, in its subsequent meeting for discussion after submission of all complete and supporting documentation by the exporter. The IMWG would consider each case on merit in accordance with the provisions of the Export and Import Policy determined by the Central Government from time to time, and the relevant Indian laws and regulations. The IMWG would consider and make recommendations to DGFT on the following:

- i. To inform the exporter that no further action is warranted, based on the facts disclosed, supporting documentation and upon satisfactory review;
- ii. To issue a Show Cause Notice;
- iii. To issue an Adjudication Order on submission of an adverse report on proliferation concerns/information, violation of relevant export control laws and regulations, etc. or for non-submission of mandatory documents within the prescribed timelines or for non-compliance with the conditions of SCOMET policy. The firm shall be liable for action in accordance with the FT(D&R) Act, the Rules and Orders made there under, the Foreign Trade Policy (FTP), and any other applicable laws and regulations.
- iv. DGFT would subsequently apprise the IMWG of the action taken by them in these cases (Regularizing the previous export or suitable action taken pursuant to (i)/(ii)/(iii) above, as the case may be).

APPENDIX No. 100**Voluntary Disclosure Proforma**

**Voluntary Disclosure Proforma for reporting of Non-
Compliance/Violation related to export of SCOMET
goods/software/technology listed in Appendix 3 to Schedule 2 of ITC(HS)
Classification**

[Please refer to Standard Operating Procedure/Guidelines for Voluntary Disclosure
of Non-Compliance / Violations related to Export of SCOMET Items and
SCOMET Regulations]

1. Applicant Details:

i. Name															
ii. Designation in the organization															
ii. Address															
iii. Mobile No.	Country Code		Area Code												
Tele No. with STD code															
iv. Date of Submission of application															

2. Details of the applicant firm

i.	Name of the firm/company/individual	
ii.	Complete official address (including Pin code)	
iii.	A brief profile of the company, including its business activities on a separate sheet	
iv.	Whether Internal Trade Compliance Program (ICP) instituted (Y/N)	
v.	Whether the firm has obtained SCOMET authorisation in the past (Y/N)	
vi.	Previous SCOMET authorisation No. and date/ DGFT reference No. (if any issued during past years)	

3. Details of Non-compliance:

i.	Type of Violation made (refer to SOP) A precise description of the nature and extent of the violation	
ii.	Period of non-compliance (Period between date of violation and date of reporting)	
iii.	Whether Customs or any other enforcement /licensing authority has issued any Show Cause Notice (SCN) or communication - (Y/N)	
iv.	If reply to (iii) is 'Yes', provide a copy of SCN/ communication	

v.	Dates of all shipments relating to export violation, mode of export, and port of load/discharge, wherever applicable	
vi.	The circumstances that lead to the violation. Include details of the violation, how the violation was uncovered (a separate sheet may be annexed, if required).	
vii.	For each export shipment in question, a statement as to whether the export took place intentionally	
viii.	Description of steps taken or processes and procedures put in place to ensure that where required, export license will be obtained in future	
ix.	The name and address of the person making the disclosure and a point of contact, if different may be indicated	
x.	SCOMET authorization No. & Date, License exception or description of any other authorization, if applicable; (Past three years)	
xi.	Any other information that the exporter believes is relevant to the purpose of the disclosure	

4. Supporting documents required:

Sl. No.	Name of the document	Attached (Yes/No)
i.	Covering Letter [On the letterhead of the firm signed by a senior officer(not below the rank of export compliance manager) providing brief description of the violation made and stating that all of the representations made in connection with the voluntary disclosure are true and correct to the best of that person's knowledge and belief]	
ii.	Application in ANF 20 proforma through online portal of DGFT, wherever applicable	
iii.	Copy of SCN issued by Customs, wherever applicable or any other communication issued by licensing /enforcement agencies	
iv.	Technical drawings (Information on Product/Technology), where applicable	
v.	Technical Specifications/Data Sheets/Brochures of the product(s), where applicable	
vi.	Relevant Undertakings and Declaration in terms of DGFT's prescribed Public Notices, where applicable	
vii.	Purchase Order/Contract Agreement/Warranty Policy Conditions, where applicable	
viii.	End User Certificate from all the entities in the supply chain, where applicable	
ix.	Export license from country of export, where applicable	
x.	Bill of Entry, wherever applicable	
xi.	Airway Bills, wherever applicable	
xii.	Shipping Bills/ Invoices, wherever applicable	
xiii.	Bills of Lading, where applicable	
xiv.	Export/Re-export Licence(s) from DGFT, where applicable	
xv.	Copy of Master Service Agreement (MSA)/ Contract with the foreign company and the Indian Subsidiary where applicable	

xvi.	A self-certified copy of the ICP of the company or of the parent company being adopted by Indian subsidiary; where applicable	
xvii.	License Exemption/Exception proof & validity, where applicable	
xviii.	Technology Control Plan, wherever applicable	
xix.	Any other documentation that the exporter believes is relevant to the purpose of the disclosure	

5. Contact details of signatory:

Signature of Authorized signatory:

Name (in full):

Designation:

Contact Details (Tele No. / Mobile No.):

Email (also provide alternate email, if any):

Company Stamp/Official seal:

Date:

Place: